



सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण



sabsetejprj2023@gmail.com शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

वर्ष: 04, अंक: 200 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

छावनी बना दिल्ली-एनसीआर: प्रदर्शन से पहले बॉर्डर पर अलर्ट

जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन को अनुमति नहीं, दिल्ली पुलिस ने लगाई निषेधाज्ञा

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर कोंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने इसके पीछे निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं करने और पिछले प्रदर्शन के दौरान नियमों के उल्लंघन को वजह बताया है। वहीं, इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है।
नई दिल्ली रेंज की जॉइंट पुलिस कमिश्नर नूपुर प्रसाद के मुताबिक, दिल्ली पुलिस को 7 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति के लिए आवेदन मिला था। प्रस्तावित प्रदर्शन की तारीख से महज तीन दिन पहले आवेदन किए जाने के कारण निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हो सका। पुलिस के नियमों के अनुसार, प्रदर्शन की अनुमति के लिए कम से कम 10 दिन पहले आवेदन करना जरूरी है। पुलिस ने अनुमति नहीं देने के फैसले के पीछे सीजेपी के पिछले प्रदर्शन के दौरान नियमों के उल्लंघन को भी एक प्रमुख कारण बताया है। हालांकि, पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी में पिछले प्रदर्शन के दौरान हुए उल्लंघनों की प्रकृति और उनसे जुड़े घटनाक्रम का

जंतर-मंतर प्रदर्शन 2.0 दिल्ली से एनसीआर तक सब पैक



सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने पर चिंता जताई

नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 10 अक्टूबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने पर उच्चतम न्यायालय ने चिंता जताई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कल के विरोध प्रदर्शन से पहले दिल्ली के लिए ट्रेन सेवाएं पूरी तरह बंद न हों और दिल्ली मेट्रो के स्टेशन भी बंद न किए जाएं। अदालत ने सरकार से कहा है कि

विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है। जॉइंट पुलिस कमिश्नर नूपुर प्रसाद ने



रेल और मेट्रो सेवाओं को नियंत्रित तरीके से जारी रखने की अनुमति दी जाए ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो।

बताया कि जंतर-मंतर क्षेत्र में संभावित अशांति और कानून-

सुनवाई के दौरान अदालत ने 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने पर कहा कि सेवाओं को पूरी तरह बंद कर

व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को देखते हुए बीएनएसएस की धारा

देना नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने जैसा है।

अदालत ने कहा कि रेल और मेट्रो ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्राधिकार जो भी फैसला करें, उसे पूरे तरीके से प्रचारित किया जाए ताकि आम लोगों को परेशानी नहीं हो। अदालत ने कहा कि रेलवे सेवा और मेट्रो स्टेशनों को बंद करने के आदेश की वजह प्रदर्शन को बताया गया है। ऐसे में अगर प्रदर्शन का आयोजन करने वाले चाहें तो वे उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर सकते हैं।

163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है।

प्रदर्शन से पहले करीब 75 ट्रेनें रद्द, इनमें 38 दिल्ली आने वाली

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली में शनिवार को प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन और नई दिल्ली तथा हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के आसपास यातायात बाधित होने की आशंका के मद्देनजर रेलवे ने करीब 75 ट्रेनों को रद्द किया है। इनमें 38 ट्रेनें ऐसी हैं, जिन्हें नई दिल्ली या हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचना था। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उपाध्याय के अनुसार, इन दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 10 अक्टूबर को सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे के बीच पहुंचने वाली कुल 165 ट्रेनों में से 38 को रद्द किया गया है। शेष ट्रेनों के परिचालन पर इस निर्णय का असर नहीं पड़ेगा। आनंद विहार टर्मिनल, पुरानी दिल्ली, सराय रोहिल्ला और दिल्ली छावनी सहित दिल्ली के अन्य स्टेशनों पर ट्रेनों का परिचालन निर्धारित समय के अनुसार जारी रहेगा। रेलवे बोर्ड के निर्देश के अनुसार, नौ अक्टूबर को दोपहर दो बजे के बाद अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली उन मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को प्रारंभिक स्टेशन से ही रद्द किया गया है।



दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन में केजरीवाल भी होंगे शामिल

नई दिल्ली/एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होंगे। केजरीवाल ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में खुद इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वह और उनका पूरा परिवार भी लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में जंतर मंतर जाएगा। उन्होंने अपील की कि ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने ज्यादा से ज्यादा

संख्या में लोग जंतर मंतर पहुंचें। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। बड़े पैमाने पर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं। देश ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है। यह किसी एक व्यक्ति या पार्टी की बात नहीं है, यह देश की बात है। आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन से पहले आआपा कार्यकर्ताओं से पूरी जानकारी मांगी जा रही है।

भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार

की अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा कि तीन कंपनियों को सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस मिल चुके हैं। ये कंपनियां सुरक्षा संबंधी

आवश्यकताएं और निर्धारित मानक को पूरा करने के बाद अपनी सेवाएं शुरू कर सकती हैं। नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित इंडिया

मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के 10वें संस्करण में प्रेस वार्ता के दौरान सिंधिया ने अमेरिका के उद्योगपति ऐलन मस्क की कंपनी

स्टारलैंक की सेवाओं को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि एक हथखास कंपनी की काफी

चर्चा हो रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि तीन कंपनियों को उपग्रह संचार (सैटेकॉम) लाइसेंस मिल चुके हैं और वे सुरक्षा संबंधी शर्तों

तथा निर्धारित लक्ष्यों को अलग-अलग पूरा करने के बाद परिचालन शुरू कर सकती हैं। सिंधिया ने बताया कि मस्क की स्टारलैंक,

रिलायंस जियो की उपग्रह सेवा इकाई जियो सैटेकॉम और भारती समर्थित स्टेलरसैट वनवेब को लाइसेंस मिल चुके हैं।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजुकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वैन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेंसी की सुविधा
- एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

कालेज कोड 01083

सत्यम शिवम शुभम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : <http://sssgroup.co.in>

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

SATYAM SHIVAM SHUBHAM GROUP OF INTITION

TIKRI PRAYAGRAJ

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharm
D.Pharm, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

त्योहारों को लेकर बुलंदशहर में प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसएसपी ने धर्मगुरुओं के साथ की पीस कमेटी की बैठक

शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील, संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर। आगामी नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनपद के धर्मगुरुओं, संत्रांत व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने पर जोर दिया। धर्मगुरुओं और वरिष्ठ नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति, सद्भाव और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए जागरूक करने की बात कही।

संवेदनशील इलाकों में बढ़ेगी निगरानी
एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को त्योहारों



के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने और

प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख धार्मिक

स्थलों, पूजा पंडालों, बाजारों, मेला स्थलों और अधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने पर जोर दिया।

संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने और नियमित गश्त करने के निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

साफ-सफाई और बिजली-पानी की व्यवस्था समय से पूरी करें
जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने संबंधित विभागों को आगामी

त्योहारों के मद्देनजर सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए।
उन्होंने धार्मिक स्थलों, पूजा पंडालों, मेला स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

प्रशासन ने त्योहारों के दौरान आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया।

चंपारण की माटी में दिखा कुश्ती का दम, मंत्री ने किया दंगल का उद्घाटन

गोरा गांव में जुटे कुश्ती प्रेमी, केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने पर दिया जोर

सबसे तेज प्रयागराज लौरिया (पश्चिम चंपारण)। लौरिया विधानसभा क्षेत्र के गोरा गांव में आयोजित ह्यजय बजरंगबली महा विराट दंगल कुश्तीह प्रतिযোগिता का उद्घाटन शुक्रवार को केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दंगल और कुश्ती चंपारण की समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। ऐसे आयोजन ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के साथ युवाओं में अनुशासन, साहस और खेल भावना का संचार करते हैं।

मंत्री ने कहा कि चंपारण की माटी की अपनी विशिष्ट पहचान है। यहां की संस्कृति, परंपरा और मिट्टी से जुड़ी खेल भावना गौरवशाली विरासत का हिस्सा है। कुश्ती जैसे पारंपरिक खेल न केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करने का मंच हैं, बल्कि युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने का माध्यम भी हैं।

उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देकर ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उचित मंच दिया जा सकता है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और लोक-संस्कृति भी जीवंत बनी रहती है।

मंत्री ने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने और चंपारण की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

छठ महापर्व लोकआस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक : सतीश

नरकटियागंज में एबीवीपी के सांस्कृतिक समारोह में शामिल हुए केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री

सबसे तेज प्रयागराज नरकटियागंज। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि छठ महापर्व लोकआस्था, सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक समरसता और भारतीय परंपराओं की समृद्धि को दर्शाता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

वह नरकटियागंज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की नगर इकाई की ओर से राष्ट्रीय कला मंच के तत्वावधान में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि चंपारण की धरती की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से स्थानीय परंपराओं को आगे बढ़ाने और युवाओं में अपनी विरासत के प्रति गौरव का भाव पैदा करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कला मंच और एबीवीपी जैसे संगठन युवाओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम करते रहेंगे।

पुलिस पेंशनर्स की समस्याएं प्राथमिकता से निस्तारित होंगी: एसपी

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस पेंशनर्स मीटिंग आयोजित की। बैठक में उन्होंने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं की जानकारी ली। इस दौरान पेंशनर्स ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन्हें एसपी ने गंभीरता से सुना।

पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पेंशनर्स को आश्वस्त किया कि विभाग की ओर से उन्हें हरसंभव सहयोग और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में संबंधित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और पुलिस पेंशनर्स मौजूद रहे।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

संदीपनघाट पुलिस ने राम वन गमन मार्ग पर की कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत संदीपनघाट पुलिस ने शुक्रवार को एक अभियुक्त को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को थाना संदीपनघाट की टीम क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने राम वन गमन मार्ग स्थित सैता पावर हाउस चौराहे के पास से अंकित कुमार पासवान पुत्र संतू पासवान निवासी ग्राम मकदूमपुर, सिमौरी, थाना सुल्तानपुर घोष, जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुआ।

गैंगस्टर एक्ट के मामलों में तेजी लाने के निर्देश, अपराधियों की संपत्ति होगी जब्त

बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रकरणों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना, अभियोजन की प्रगति तथा अपराधियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों से लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कदम उठाने और कार्रवाई में अनावश्यक देरी से बचने को कहा गया। इस दौरान गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत अपराध से

अर्जित संपत्तियों के जब्तीकरण की कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अपराध से अर्जित संपत्तियों के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया को गति मिल सके।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जीआरपी के अजय सिंह बने निरीक्षक, डीजी और आईजी ने लगाया नया रैंक प्रतीक

सबसे तेज प्रयागराज लखनऊ। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मुख्यालय में शुक्रवार को उप निरीक्षक (लिपिक) अजय कुमार सिंह को पदोन्नति के बाद निरीक्षक (लिपिक) का रैंक प्रतीक प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. और पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ आरके भारद्वाज ने उन्हें नया रैंक प्रतीक सुशोभित कर बधाई दी।

वर्ष 1995 बैच के अजय कुमार सिंह वर्तमान में जीआरपी मुख्यालय की आंकिक शाखा के प्रभारी हैं। अधिकारियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ किया है। इस मौके पर अधिकारियों ने उनकी कार्यकुशलता और प्रशासनिक सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल लाई रंग, दो दंपती फिर साथ रहने को राजी

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलिंग से पारिवारिक विवादों को सुलझाने की पहल रंग ला रही है। शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के बाद दो दंपतियों ने आपसी मतभेद और मनमुटाव भुलाकर फिर से साथ रहने पर सहमति जताई।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी के बीच पारिवारिक विवादों के निस्तारण के लिए नियमित रूप से मध्यस्थता और काउंसलिंग की जा रही है। इसी क्रम में 9 अक्टूबर 2026 को काउंसलर कविता रस्तोगी ने दो मामलों में दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई। बातचीत के दौरान दंपतियों को आपसी समझ, सामंजस्य और पारिवारिक रिश्तों के महत्व के बारे में समझाया गया। काउंसलिंग के बाद दोनों दंपती विवाद भुलाकर साथ रहने को राजी हो गए। इस दौरान महिला आरक्षी शिप्रा पाठक ने सहयोग किया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर कौशाम्बी पुलिस ने किया दंगा नियंत्रण अभ्यास

पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण, पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



स्वाती मिश्रा कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने शुक्रवार को पुलिस लाइन कौशाम्बी में साप्ताहिक परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद आगामी त्योहारों और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को देखते हुए पुलिस बल को दंगा नियंत्रण का अभ्यास कराया गया। अभ्यास के दौरान पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने, दंगा नियंत्रण के विभिन्न तरीकों और अपात परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई करने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही दंगा नियंत्रण उपकरणों और सुरक्षा संसाधनों के उचित इस्तेमाल के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सतर्कता, आपसी समन्वय और तत्परता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह सहित सभी क्षेत्राधिकारी और अन्य संबंधित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पिपरी पुलिस ने दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपरी पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में भोजपुर और गौसपुर कटहुला निवासी दो लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में भोजपुर निवासी विलेश उर्फ शैलेश पुत्र रामसियादीन शामिल है। उसके खिलाफ वर्ष 2011 में थाना पिपरी में मुकदमा दर्ज हुआ था। वहीं, दूसरे अभियुक्त की पहचान गौसपुर कटहुला निवासी दिलीप कुमार उर्फ सोनू पुत्र निरंजन लाल के रूप में हुई है। वह वर्ष 2013 में थाना पिपरी में दर्ज मुकदमे का वारंटी है। पिपरी पुलिस टीम ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई की।

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। आगामी नवरात्रि और दशहरा पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को थाना कोखराज में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। क्षेत्राधिकारी सिराधू सत्येन्द्र तिवारी ने क्षेत्र के संत्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं और गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर त्योहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, धार्मिक आयोजनों के दौरान आपसी समन्वय रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने के निर्देश दिए गए। क्षेत्राधिकारी ने

पैतृक गांव हरसरी में दिखा केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे का देसी अंदाज, गजराज की सवारी बनी आकर्षण

पश्चिम चंपारण के हरसरी गांव से जुड़ी हैं केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री की जड़ें



हनुमान प्रसाद शुक्ल हरसरी (बिहार)। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे का पैतृक गांव हरसरी पश्चिम चंपारण जिले में स्थित है। गांव से उनके जुड़ाव और गजराज की सवारी की तस्वीर ने उनके पारंपरिक अंदाज को चर्चा में ला दिया है। सतीश चंद्र दुबे केंद्र सरकार में 11 जून 2024 से कोयला एवं खान मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।

उनका स्थायी पता पश्चिम चंपारण जिले के हरसरी गांव का दर्ज है। गजराज की सवारी के साथ उनकी तस्वीर में पारंपरिक ग्रामीण परिवेश की झलक दिखाई देती है। सत्ता के शीर्ष पद पर पहुंचने के बावजूद अपनी जड़ों और गांव से जुड़ाव का यह दृश्य स्थानीय स्तर पर खास आकर्षण का विषय बन सकता है।

गैंगस्टर एक्ट के मामलों में तेजी लाने के निर्देश, अपराधियों की संपत्ति होगी जब्त

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट फतेहपुर में जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की संयुक्त अध्यक्षता में गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत लंबित एवं प्रस्तावित कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामलों में प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।



बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रकरणों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना, अभियोजन की प्रगति तथा अपराधियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कदम उठाने और कार्रवाई में अनावश्यक देरी से बचने को कहा गया। इस दौरान गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत अपराध से

14 नवंबर से पहले पूरा कराएं जनगणना कर्मियों का प्रशिक्षण

जनगणना-2027 की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा, गणना ब्लॉकों के सत्यापन पर दिया जोर

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। शुक्रवार को संगम सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनसंख्या गणना की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने गणना ब्लॉकों को अंतिम रूप देने, उनका भौतिक सत्यापन कराने और प्रणणकों व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण निर्धारित समय में पूरा कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में समयबद्धता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी



चार्ज अधिकारी गणना ब्लॉकों के निर्धारण और सत्यापन से जुड़े

कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए

कि प्रणणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 14 नवंबर 2026 से

पहले हर हाल में पूरा कर लिया जाए, ताकि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनगणना का कार्य शुरू कराया जा सके। बैठक में जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना से संबंधित तैयारियों और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को प्रशिक्षण की व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने तथा सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने को कहा गया। 16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, जनपद में 16 से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की प्रक्रिया

चलेगी। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना कराई जाएगी। पांच से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना की तैयारियों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूरे किए जाएं, जिससे जनगणना की प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराई जा सके।

नैनी स्टेशन से 10 हजार का इनामी चोर गिरफ्तार, तीन मोबाइल बरामद

चलती ट्रेनों में चोरी और झपटमारी की घटनाओं में था वांछित, जीआरपी ने की कार्रवाई



सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। चलती ट्रेनों में चोरी और झपटमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी प्रयागराज ने 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुकद्दर निषाद उर्फ मुकद्दर पटेल (26) पुत्र स्वर्गीय दुलारे निषाद, निवासी चक गरीब दास का पुरा, मामा-भांजा तालाब, थाना नैनी, प्रयागराज के रूप में हुई है। वह कमिश्नरेट प्रयागराज से 10 हजार रुपये का इनामी बताया गया है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे नैनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार पर गेट संख्या एक के पास रैप के नजदीक से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई रेलवे स्टेशन, सिकुर्लेटिंग एरिया और ट्रेनों में चोरी व छिन्नाई की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

अभियान क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण और जीआरपी थाना प्रभारी अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नैनी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुधीर कुमार ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस में तेंदूपते की तस्करी का खुलासा, 12 बोरी माल के साथ तीन गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर जीआरपी ने ट्रेनों में अवैध रूप से तेंदूपत्ता ले जाने के मामले में तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस के जनरल कोच से 12 बोरी व झोलों में रखा तेंदूपत्ता बरामद किया। आवश्यक कार्रवाई के



बाद तीनों आरोपियों को बरामद तेंदूपते के साथ अग्रिम कार्रवाई के लिए क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रयागराज और वन पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। जीआरपी के अनुसार, रेलवे स्टेशनों, सिकुर्लेटिंग एरिया और ट्रेनों में चोरी-छिन्नाई की घटनाओं पर अंकुश लगाने, अवैध तस्करी रोकने और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नौ अक्टूबर को कंट्रोल रूम से मिली सूचना पर जीआरपी प्रयागराज की टीम ने प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर पहुंची ट्रेन संख्या 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस के जनरल कोच में जांच की। इस दौरान तीन लोगों के कब्जे से 12 बोरी व झोलों में तेंदूपत्ता बरामद हुआ। कार्रवाई क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण तथा जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजकुमार चौहान सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर 12 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट में होगी किसान पंचायत

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन की ओर से आगामी 12 अक्टूबर को जिला कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर किसान पंचायत आयोजित की जाएगी। पंचायत के संबंध में शुक्रवार को संगठन के मंडल अध्यक्ष बलू दुबे ने अपर जिलाधिकारी (नगर) मंगलेश दुबे को जापन सौंपकर कार्यक्रम की जानकारी दी। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि किसान पंचायत के माध्यम से प्रयागराज के किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन का ध्यान अकृष्ट कराया जाएगा तथा संबंधित मुद्दों पर आवाज बुलंद की जाएगी।

49 वर्षों से लगातार किसानों की सेवा में प्रयासरत है कार्डेट: बाल्मीकि त्रिपाठी

इफको कार्डेट के स्थापना दिवस पर किसान गोष्ठी का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। इफको शुरूआत से ही लगातार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य के साथ कोरडेट की स्थापना 9 अक्टूबर 1978 को की गई। कार्डेट अपने प्रयासों से क्षेत्र में खेती किसानी से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ाने में, उससे संबंधित जानकारी को प्रचारित प्रसारित करने में अच्छा काम कर रहा है। उक्त बातें शुक्रवार को इफको कार्डेट के 59 वे स्थापना दिवस के अवसर पर

आयोजित कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि बाल्मीकि त्रिपाठी ,अध्यक्ष प्रबंध समिति कार्डेट,फूलपुर एवं निदेशक, इफको नई दिल्ली ने कहीं। उन्होंने किसानों से इफको के नैनो उर्वरकों को अपनाने की अपील की इसी क्रम में भरत त्रिपाठी ने कहा कि किसान सहनशील होता है,एक बार फसल के नुकसान को सहते हुए फिर से जी जान से प्रयास करता है कि अगली फसल अच्छी हो। इसी सहनशीलता ने उसे अन्नदाता की उपाधि दी है।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए

कार्डेट के प्रधानाचार्य डॉ.विवेक

दीक्षित ने कार्डेट के 49 वर्षों की

प्रगति एवं प्रयासों के विषय में क्रमवार तरीके से बताया और उपस्थित अतिथियों का स्वागत बुके और साल देकर किया क इसी क्रम में आगे इफको उत्तर प्रदेश के राज्य विपणन प्रबंधक एवं सचिव कार्डेट, यतेंद्र कुमार ने इफको नैनो उर्वरक एवं इफको के अन्य उत्पादों की उपयोगिता के विषय में चर्चा की एवं किसानों से उनके अनुभव भी ज्ञाने। इफको फूलपुर के इकाई प्रमुख पी के सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्रामीण विकास में इफको फूलपुर के

आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में वांछित महिला गिरफ्तार

कीडगंज पुलिस ने दारागंज स्थित घर के बाहर से पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में वांछित महिला अभियुक्ता को कीडगंज पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सिम्मी यादव (37) को दारागंज थाना क्षेत्र की कच्ची सड़क स्थित उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की।



पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सिम्मी यादव पत्नी स्वर्गीय संजीव यादव, निवासी मकान नंबर 791/495बी, कच्ची सड़क, दारागंज की रहने वाली है। वह कीडगंज थाने में दर्ज आत्महत्या के दुष्प्रेरण से संबंधित मुकदमे में वांछित थी। **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम कार्रवाई करने वाली टीम में** कीडगंज थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह, उपनिरीक्षक जगदीश त्रिपाठी, महिला उपनिरीक्षक सोनिका विश्वकर्मा, कांस्टेबल मुकेश कुमार, रिजर्व कांस्टेबल शुभम यादव, रिजर्व कांस्टेबल जैस कुमार और महिला कांस्टेबल प्रिया सिंह शामिल रहें।

11 साल पुराने पट्टे पर कब्जे की याचिका खारिज, याची पर एक हजार रुपये का जुमाना

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सोरांव तहसील क्षेत्र के रामदासपुर गांव सभा से जुड़े पट्टे के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 11 साल पुराने पट्टे पर कब्जा दिलाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। आठ अक्टूबर 2026 को सुनवाई के दौरान अदालत ने याची पर एक हजार रुपये का जुमाना भी लगाया। साथ ही जुमाने की धनराशि एक सप्ताह के भीतर हाईकोर्ट लीगल सर्विस के बैंक खाते में जमा करने का निर्देश दिया।

मामला प्रयागराज जिले की सोरांव तहसील के अंतर्गत श्रृंगवेरपुर धाम ब्लॉक स्थित रामदासपुर गांव सभा से संबंधित है। याची सुनीता देवी ने पुरवा में शिव दरबार शनिदेव धाम सिद्धपीठ मंदिर परिसर में नवदुर्गा मैया के जागरण की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अध्यक्ष संजय तिवारी के नेतृत्व में ग्रामवासी और श्रद्धालु मंदिर परिसर की साफ-सफाई करने के साथ ही पंडाल को सजाने में जुटे हैं।

नवरात्र के धार्मिक उत्साह के बीच श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से आयोजन को भव्य बनाने में सहयोग कर रहे हैं। मंदिर परिसर में साफ-सफाई और सजावट का कार्य किया जा रहा है, जिससे जागरण में शामिल होने वाले भक्तों को बेहतर व्यवस्था मिल सके। इस धार्मिक आयोजन में जुटे सभी श्रद्धालुओं की कामना है कि मां दुर्गा की कृपा सभी ग्रामवासियों और उनके परिवारों पर सदैव बनी रहे तथा गांव में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो।

ईवीएम की जांच में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, मानकों के पालन के निर्देश

लगातार दूसरे दिन वेयरहाउस पहुंचे डीएम, एफएलसी हॉल में मोबाइल ले जाने पर रोक

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को मुबारकपुर कोटवा स्थित नवनिर्मित ईवीएम वेयरहाउस में चल रहे मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) कार्य का निरीक्षण किया। लगातार दूसरे दिन निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।



जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी निर्वाचन में इस्तेमाल होने वाली ईवीएम की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराई जाए। एफएलसी के दौरान जिले के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रक्रिया निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हो। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश दिया कि एफएलसी हॉल में कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मोबाइल फोन लेकर प्रवेश न करे। बिना पहचान पत्र के किसी अधिकारी या कर्मचारी को अंदर जाने की अनुमति भी नहीं दी जाए। इसके साथ ही वेयरहाउस परिसर और जांच स्थल पर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक दीपक पटेल की जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दीपक पटेल ने शुक्रवार को अपने आवास पर जनसुनवाई कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने बिजली, पेयजल, सड़क मरम्मत, जलभराव और राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें रखीं। विधायक ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों में संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात की और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विधायक के मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी के मुताबिक, जनसुनवाई के दौरान 11 जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के पास भेजा गया। विधायक दीपक पटेल ने कहा कि क्षेत्र की जनता का हित और उनकी समस्याओं का पारदर्शी तरीके से समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है।

योगदान की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। कार्डेट प्रबंध समिति के सदस्य आर पी सिंह बघेल ने सहकारिता के क्षेत्र में इफको के योगदान को बताया कोरडेट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा इफको ने किसानों के लिए बहुत कुछ किया है, हरित क्रांति के अच्छे परिणाम के लिए इफको का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। पदमश्री राम सरन वर्मा ने किसानों को खेती की तकनिकी जानकारी दी व्हस कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को कृषि निवेश किट जिसमें सरसों का बीज, दराती, जैव उर्वरक एवं जैव अपघटक बेल के पौध का वितरण किया गया। पांच प्रगतिशील कृषकों को बैटरी चलित स्प्रे मशीन वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान राजदत्त पाण्डेय, अभय चौधरी, विस्वास चौधरी, अखिलेश त्रिपाठी इफको मुख्यालय से पधारे मुख्य प्रबंधक, मयंक सिंह परिहार, पी. सी. एफ. निदेशक, अन्य सम्मानित सदस्य,कार्डेट के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी एवं भारी संख्या में कृषक जन उपस्थित रहे।

संपादकीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था

जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा पर आधारित शासन प्रणाली है। किसी भी लोकतांत्रिक देश की मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां जनता को अपनी पसंद की सरकार चुनने का कितना वास्तविक अवसर मिलता है और चुनावी प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा कितना मजबूत है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, अधिकारों और राजनीतिक चेतना का प्रतिबिंब हैं। इसलिए चुनाव व्यवस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रयागराज में नौ अक्टूबर को सामने आई राजनीतिक गतिविधियां भी चुनावी संस्थाओं की स्वायत्तता और निष्पक्षता को लेकर चल रही बहस को रेखांकित करती हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मताधिकार और निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। हालांकि किसी भी राजनीतिक दल के आरोपों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसे मुद्दों पर तथ्यों, संवैधानिक प्रावधानों और निष्पक्ष साक्ष्य के आधार पर स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है। लोकतंत्र में सवाल उठाना नागरिकों और राजनीतिक दलों का अधिकार है, वहीं उन सवालों का जवाब देना संस्थाओं की जवाबदेही का हिस्सा है।

भारत के संविधान ने प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार दिया है। यह अधिकार किसी जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, आर्थिक स्थिति अथवा राजनीतिक विचारधारा के आधार पर भेदभाव नहीं करता। मतदान की शक्ति ही सामान्य नागरिक को लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है। यही कारण है कि मतदाता सूची की शुद्धता, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, चुनावी खर्च की निगरानी और मतगणना की पारदर्शिता जैसे विषयों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता केवल कानूनों और नियमों से नहीं, बल्कि उसके निर्णयों की निष्पक्षता और जनता के सामने उनकी स्पष्ट व्याख्या से भी मजबूत होती है। यदि किसी निर्णय को लेकर संदेह पैदा होता है, तो समय पर तथ्य प्रस्तुत करना और उचित प्रक्रिया के माध्यम से शंकाओं का समाधान करना जरूरी है। संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि उनके कामकाज में पारदर्शिता दिखाई दे और सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हों।

यह भी ध्यान रखना होगा कि लोकतंत्र में असहमति को दुश्मनी नहीं समझा जाना चाहिए। विपक्ष का काम सरकार और संस्थाओं के निर्णयों पर सवाल उठाना है, जबकि सत्ता पक्ष का दायित्व है कि वह आलोचना का जवाब तथ्यों और तर्कों से दे। दूसरी ओर, राजनीतिक दलों को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। बिना तथ्य के लगाए गए आरोप जनता के बीच भ्रम फैलाते हैं और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ा सकते हैं। इसलिए राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में मर्यादा, जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल्यों का पालन अनिवार्य है।

नीतीश कुमार के रास जाने के बाद बिहार किस ओर

सौरभ चार्णाय

बिहार की राजनीति एक बार फिर नए मोड़ पर खड़ी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रायसभा सीट फतह कर चुके हैं अब ऐसे में बिहार की राजनीति किस ओर करबट ले रही है साफ साफ दिख रहा है । भाजपा की कही बात सिद्ध होने जा रही है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए। अब स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि राज्य की बागडोर अब किसके हाथों में सौंपी जाणी। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, विकास की गति और राजनीतिक संतुलन का भी विषय है। वहीं क्या पचीं निकाली जायेगी जैसा कि भाजपा नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में विधायकों में से किसी एक की पचीं निकालकर राजतिलक कर चुका है। हालांकि गठबंधन के बाद भाजपा के लिए आसान नहीं रहेगा। अब अगर नीतीश कुमार की पार्टी की बात करें तो सबसे पहले, जेडीयू के भीतर नेतृत्व की तलाश तेज होगी। पार्टी में कई चेहरे हैं, लेकिन अनुभव, स्वीकारता और प्रशासनिक समझ के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। साथ ही, सहयोगी दलों की भूमिका भी अहम हो जाएगी, क्योंकि बिहार की सरकार गठबंधन की राजनीति पर टिकी है। ऐसे में सहमति से नेता का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया हो सकती है। दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की कोशिश करेगा। तेजस्वी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का प्रयास करेगा। यदि सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी प्रकार की असहमति या नेतृत्व को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है, तो विपक्ष इसे जनता के बीच एक मुद्दा बना सकता है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव

सनत जैन
जब से रूस-यूक्रेन, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच में युद्ध शुरू हुआ है, उसके बाद से सारी दुनिया में सोने-चांदी और अन्य महत्वपूर्ण धातुओं के दामों में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पहली बार दुनिया में अर्थव्यवस्था को लेकर, एक ऐसी अनिश्चय की स्थिति देखने को मिल रही है, जिसके कारण वैश्विक व्यापार में इसका बड़े पैमाने पर असर हो रहा है। दूसरी बार डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने। उसके बाद से डॉलर मुद्रा को लेकर एक अलग तरह की चुनौती देखने को मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सारी दुनिया के देशों पर टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार को बड़ी चुनौती देने का काम किया। 1993 में लागू वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया के देशों पर टैरिफ लगाकर सुगमता से व्यापार हो रहा था। वैश्विक व्यापार संधि को लेकर दुनिया के देशों का विश्वास, वैश्विक लेन-देन पर

बना था। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के जरिए सभी देशों को उसे चुनौती देने का काम किया। जिसके कारण वैश्विक व्यापार को लेकर कई चुनौतियां सारी दुनिया के देशों में बढ़ी। इजराइल-फिलिस्तीन तथा रूस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय तक चलने से सारी दुनिया के देशों में चुनौतियां बढ़ी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की दादगिरी, रूस की मुद्रा जप्त करने, रूस इरान और अन्य देशों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा देने से दुनिया के

ललित गर्ग

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जुझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम वन और भोजन यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विटंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन



महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है। वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित वनों और अर्थव्यवस्था थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर

उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक

हरित भारत मिशन के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है

जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के

बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

की तेज बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, होर्डिंग्स गिर गए और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। इसी प्रकार जामनगर में धूल भरी आंधी के कारण हड़यता कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को काफी कठिनाई हुई। कई जगहों पर सौर ऊर्जा पैनल उड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे संपत्ति का नुकसान भी हुआ।

पाटण जिले के सांतलपुर और समी क्षेत्रों में तूफानी हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कई मकानों के छप्पर उड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। छोटे रण क्षेत्र में रहने वाले अगरिया समुदाय को भी बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा, क्योंकि नमक उत्पादन प्रभावित हुआ और सौर ऊर्जा उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन और आजीविका पर सीधा प्रहार है जो पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं।

महेसाणा, वडोदरा और जूनागढ़ सहित अन्य जिलों में भी तेज हवाओं और बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर ओलावृष्टि की भी खबरें सामने आईं, जिससे खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका और बढ़ गई है।

ओले गिरने से फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे किसानों को बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। ऐसे में यह स्थिति किसानों के लिए दोहरी मार साबित होती है। एक ओर उत्पादन घटना है और दूसरी ओर आय भी कम हो जाती है। मौसम विभाग के अनुसार इस अचानक बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण की भूमिका है। इन कारणों से राज्य के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और आंधी की स्थिति वि। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले चौबीस घंटों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है और कुछ क्षेत्रों में इक्कीस मार्च तक बेमौसम बारिश जारी रह सकती है। विशेष रूप से बनावसाकांठा, पाटण, साबरकांठा, कच्छ और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में इस प्रकार की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई गई है। किसानों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि रबी फसलों की कटाई का दौर चल रहा होता है। महीनों की मेहनत के बाद जब फसल तैयार होती है, तभी इस तरह का मौसम उनकी सारी उम्मीदों को झटका दे देता है। बारिश के कारण कटाई में देरी होती है, फसल भीर जाती है और कई बार पूरी तरह खराब हो जाती है। इसके अलावा तेज हवाओं से फसलें गिर जाती हैं, जिससे कटाई और भी कठिन हो जाती है। इससे उत्पादन में कमी आती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना ​​है कि इस

तरह के मौसम परिवर्तन अब पहले की तुलना में अधिक देखने को मिल रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकते हैं। बदलते मौसम के इस स्वरूप ने खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है। ऐसे में किसानों को जई तकनीकों और सावधानियों को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि वे इस प्रकार की परिस्थितियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकें। कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं और मौसम की जानकारी पर लगातार नजर बनाए रखें। प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है।

आगत स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इस तरह की प्राकृतिक घटनाओं के सामने मानव प्रयास सीमित ही साबित होते हैं, लेकिन समय पर चेतावनी और सावधानी से नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

यह बेमौसम बारिश और आंधी केवल एक दिन की घटना नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि मौसम का स्वरूप बदल रहा है और इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। किसानों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि इसी प्रकार का मौसम बार-बार होता रहा, तो उनकी आय और जीवन दोनों को इसका गहरा असर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है

रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियाँ और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहरता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। हरित भारत मिशन के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन

पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा।

यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

रमेश सर्पाक धमोरा

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भावना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौहार है। राजस्थान की महिलाएँ चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एवं कुंवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। हाली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम पर्व अपने पीछर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहावण पर्व कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से बना है। इस दिन अविवाहित कन्याएँ और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतियोगी में शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़-जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वहण करती है। उस देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूँढाड़ की भाँति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गाँव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजावमान रहता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है।

सिमटते वन और सिसकती सांसें: अब तो जाणिए !

दिलीप कुमार पाठक

सुबह की पहली किरण के साथ जब खिड़की खुलती है, तो वह ताजी हवा अब महसूस नहीं होती जो कभी बचपन की यादों का हिस्सा थी। कारण साफ है, हमारी खिड़कियों के बाहर अब पेड़ों की कतारें नहीं, बल्कि कंकरीट की ऊँची और बेजान दीवारें खड़ी हैं। पुराने समय में घर के बड़े-बुजुर्ग कहते थे कि एक पेड़ लगाना सौ यज्ञ करने के बराबर है। तब पेड़ सिर्फ लकड़ी का बेजान ढांचा नहीं, बल्कि पहिवार का एक जीता-जाता सदस्य हुआ करते थे। नीम की दातुन से लेकर पीपल की शीतल छांव तक, हमारा पूरा जीवन इन वनों की गोद में बीता है। लेकिन आज की तस्वीर डराने वाली है। हमने विकास की अंधी दौड़ में उन कुदरती फेफड़ों को कट दिया है जो हमें मुक्त में ऑक्सीजन देते थे। शहर अब धीरे-धीरे तंदूर बनते जा रहे हैं।

फिछले 20 दिनों में शेवर बाजार में लगभग 26 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। भारत सहित अमेरिका, जापान, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस तथा ब्रिटेन के शेवर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसमें सबसे बड़ी गिरावट भारत, जापान और जर्मनी के शेवर बाजारों में देखने को मिल रही है।

माच के महीने में ही मई जैसी तपिश का अहसास होने लगा है। यह प्रकृति की सिसकी है, जिसे हम अपनी सुख-सुविधाओं के शोर में सुन नहीं पाते। जब कोई जंगल कटता है, तो केवल पेड़ नहीं गिरते, बल्कि हजारों परिंदों के पुत्तैनी आशियाने भी उजड़ जाते हैं। वह गैरैया जो कभी हमारे आंगन में फुदकती थी, अब कहीं खो गई है क्योंकि उसे घोंसला बनाने के लिए अब डालियाँ नहीं मिलतीं।

अखबारों में जब हम ग्लोबल वार्मिंग जैसे भारी शब्द पढ़ते हैं, तो लगता है कि यह कोई विदेशी की समस्या है। पर सच तो यह है कि यह संकट हमारे अपने दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। पहाड़ों पर कम होती बर्फ और मैदानों में बढ़ता पारा इसी का नतीजा है। हमने अपनी विलासिता के लिए नदियों के उद्गम सुखा दिए, क्योंकि वहां के घने जंगल अब रिसॉर्ट और चौड़ी

सड़कों में तब्दील हो चुके हैं। हम मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाएं तलाश रहे हैं, लेकिन जिस धरती ने हमें गोद में खिलाया, उसके हरे आंचल को तार-तार करने में हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। विचित्र विडंबना देखिए, आज हमें शुद्ध जल के लिए ऑक्सीजन पालर जाने की जरूरत पड़ रही है। जो चीज कुदरत ने हमें उपहार में दी थी, उसे अब हम रुपयों में खरीद रहे हैं। क्या हमने कभी ठंडे डिमाग से सोचा है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को विरासत में क्या देकर जाएंगे? क्या हमारे बच्चे जंगलों को सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन या किताबों के पन्नों पर देखेंगे? क्या वे कभी जान पाएंगे कि मिट्टी की सोधी खुशबू और पत्तों की सरसरहट का सुकून क्या होता है? 21 मार्च का यह दिन हमें सबसे कोई लंबी गोष्ठियां नहीं मांगता, बल्कि एक छोटा सा मानवीय संकल्प मांगता है।

हुसैनगंज पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया



सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हुसैनगंज पुलिस ने शुक्रवार को दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने ग्राम चक पिहानी निवासी बुढ़न पुत्र जगदीश (42) और दुःखी पुत्र बदलू (45) को गिरफ्तार किया। दोनों अभियुक्त थाना हुसैनगंज क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ पुराने मामलों में वारंट जारी थे। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार मोर्य और कांस्टेबल दीपक कुमार पाल शामिल रहे।

प्रमुख चौराहों पर सीओ ने परखी यातायात व्यवस्था, वाहन चेकिंग के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी अरुण कुमार शुक्ला ने शुक्रवार को थाना पश्चिम शरीरा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों का भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वाहनों की आवाजाही, यातायात के सुचारु संचालन और चौराहों पर पुलिस की तैनाती की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने वाहन चेकिंग कराई और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए। सीओ ने पुलिसकर्मियों को सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि प्रमुख चौराहों पर अनावश्यक जाम को स्थिति न बनने दी जाए और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि, भतीजे आकाश आनंद भी साथ में मौजूद रहे

नई दिल्ली/लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ स्थित बसपा प्रदेश कार्यालय में कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बसपा प्रदेश कार्यालय में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित कई बड़े नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। आज बसपा लखनऊ में अपना शक्ति प्रदर्शन भी करने जा रही है।

एसआरएन में आयुष्मान योजना से सफल स्पाइन सर्जरी, दूसरे दिन सीधे होकर चलने लगा मरीज

पांच महीने से दर्द और चलने में परेशानी से जूझ रहे चित्रकूट के 52 वर्षीय मरीज को मिली राहत

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में आयुष्मान भारत योजना के तहत 52 वर्षीय मरीज की रीढ़ की हड्डी की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ और वह दूसरे दिन ही सीधे होकर चलने लगा। करीब पांच महीने से दर्द और चलने में कठिनाई से परेशान मरीज को राहत मिलने से चिकित्सकों की टीम ने संतोष जताया। चित्रकूट निवासी मन्नू लाल पिछले



पांच महीने से दर्द और चलने में परेशानी का सामना कर रहे थे।

चलते समय उनका ऊपरी धड़ दाईं ओर झुक जाता था, जिससे रोजमर्रा

के काम करना भी मुश्किल हो गया था। चिकित्सकीय जांच और आवश्यक मूल्यांकन के बाद एसआरएन के अस्थिरोग विभाग की टीम ने उनकी ट्रांसफोरामिनल लम्बर इंटरबॉडी फ्यूजन (टीएलआईएफ) सर्जरी करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की चलने की मुद्रा में सुधार देखा गया। **नर्सों पर दबाव कम कर रीढ़ को स्थिर करती है सर्जरी** टीएलआईएफ कमर की रीढ़ की एक शल्य चिकित्सा तकनीक है।



अपनी पत्नी सरिता के साथ जालौन तहसील के ग्राम बिरहरा में त्रियोदशी भोज में शामिल होने के लिए बाइक से गए थे। रत रात पहाड़गांव के लिए बाइक से आ रहे थे तभी तीन अज्ञात बाइक सवारों ने ग्राम पहाड़गांव स्थित

चौकी से करीब 200 मीटर की दूरी पर ही लुटेरों ने बाइक रोककर तमंचा लगा दिया। आरोपित ने उनके आभूषण मंगलसूत्र, बीजासेन सोने का पेंडेंटल व सोने की फली लूट ली और अनिल के जेब से

पर्स निकाला जिसमें उसके 13 हजार रुपये की नगदी रखी थी वह लूट ली और भाग गए। आरोपित पहाड़गांव से ग्राम कमतरी की ओर मुड़ गए। कमतरी के आगे रास्ता बंद है वहां से कोई मार्ग आगे नहीं जाता जिससे

गोरखपुर : एसएसपी ने शुक्रवार की परेड का किया निरीक्षण, जवानों को दिए अनुशासन और फिटनेस के निर्देश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन गोरखपुर स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन और कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और फिट रहने के उद्देश्य से दौड़ लगावाई गई। इसके साथ ही पुलिस बल में अनुशासन, एकरूपता और बेहतर समन्वय



बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस अभ्यास के माध्यम से पुलिसकर्मियों की तत्परता, सामूहिक कार्यक्षमता और परेड संबंधी दक्षता को परखा गया।

निरीक्षण के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस की विभिन्न इकाइयों की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने यूपी-112, परिवहन शाखा और श्वान दल सहित अन्य संबंधित इकाइयों का

सिपाहियों की मिलीभगत से साजिद पिस्टल ने खड़ा किया नेटवर्क, वेस्ट यूपी और NCR में सफाई करता था कारतूस

मेरठ। भावनपुर में हिस्ट्रीशीटर साजिद पिस्टल ने दो सिपाहियों को मदद से बड़ा नेटवर्क खड़ा किया था। इस नेटवर्क के जरिए नोटों से उगी और कारतूस की सफाई की जाती थी। लंबे समय से सक्रिय इस नेटवर्क को भावनपुर पुलिस तोड़ नहीं पाई, क्योंकि थाने के ही दो सिपाही गिरोह के साथ काम कर रहे थे। इसके एवज उन्हें हिस्सा मिलता था। इस्पेक्टर प्रताप सिंह के मुताबिक, गिरोह से जुड़े कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी जांची जा रही है। मोबाइल फोन के जरिए उनकी जानकारी मिल चुकी है। नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपित पूर्व में जेल जा चुके हैं। आरोपितों की थाना स्तर

से निगरानी कराई जाती तो पहले ही उक्त नेटवर्क को तोड़ा जा सकता था। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि कारतूस की खप एक साल पहले सहरानपुर से खरीदी थी। 46 कारतूस बरामद हुए, दो फायर कर दिए। दो कारतूस को रिकवरी बाकी है। राशिद उर्फ मंत्री के खिलाफ भावनपुर थाने में 2018 में लूट का मुकदमा है। मेडिकल थाने से गत वर्ष भी पिस्टल बरामद होने पर राशिद जेल गया था। कार्तिक पर मेडिकल और भावनपुर में जबकि अर्जुन व विशाल पर भावनपुर में मुकदमा दर्ज है। दोनों सिपाहियों के सहयोग से यह बैंग नकली नोटों के संग हथियार और कारतूस की तस्करी कर रहा था।

कई थाना प्रभारियों से थी साजिद पिस्टल की दोस्ती भावनपुर में रह चुके कई थाना प्रभारियों से साजिद पिस्टल की दोस्ती थी। थाने के हर काम में साजिद को मदद ली जाती थी। यही कारण था कि छह माह पहले ही भावनपुर में तैनाती पा चुके सिपाही आशीष और प्रशन्वित भी साजिद पिस्टल के झांसे में आकर अपराध की दुनिया में प्रवेश कर गए। प्रकरण की जांच सीओ सदर देहात सुधीर कुमार कर रहे हैं। **साजिद कई सिपाहियों का उठाता था खर्च** जांच में सामने आया कि जेल से छूटने के बाद हिस्ट्रीशीटर साजिद थाने के कई पुलिसकर्मियों के संपर्क में था।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व शिक्षा के व्यवसायीकरण के खिलाफ 1 रुपये में शिक्षा की मुहिम शुरू, पीपलगांव में प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। सामाजिक संस्था माता सावित्रीबाई फुले वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व शिक्षा के व्यवसायीकरण के खिलाफ 1 रुपये में शिक्षा देने की मुहिम की शुरुआत की गई। शुक्रवार को संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक पूजा चौधरी के कर-कमलों द्वारा पीपलगांव स्थित नए सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस सेंटर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटीशियन, हैंड क्राफ्ट, मेहंदी व स्पेशल पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही संस्था ने शिक्षा सुधार मुहिम के तहत 1 रुपये में बच्चों को शिक्षा देने की शुरुआत की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा चौधरी ने कहा माता सावित्रीबाई फुले के सपने को पूरा करना हमारा लक्ष्य है। महिलाओं को शिक्षा देने के



साथ ही उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना भी जरूरी है। राष्ट्रीय महासचिव सिद्धार्थ सोनकर ने कहा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। प्रदेश अध्यक्ष उत्तर

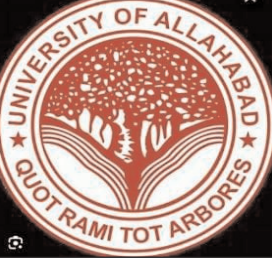
प्रदेश राहुल देव आजाद ने बताया कि शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को रोकने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है। पूरे प्रदेश में महिलाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़कर सशक्त बनाने के लिए ज्यादा से

ज्यादा सेंटर खोले जाएंगे। कार्यक्रम में सेंटर कॉर्डिनेटर दीक्षा कुशवाहा, संरक्षक शिक्षिका सुनीता, प्रदेश मीडिया प्रभारी अजय कुमार समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. ए.आर. सिद्दीकी को अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का निमंत्रण

पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में जलवायु, नमी और वनस्पति में बदलाव पर शोधपत्र करेंगे प्रस्तुत

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. ए.आर. सिद्दीकी को अमेरिका में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक संस्था जियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका (जीएसए) की वार्षिक तकनीकी बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन 11 से 14 अक्टूबर तक अमेरिका के कोलोराडो राज्य के डेनवर शहर में आयोजित होगा। इसमें प्रो. सिद्दीकी पश्चिमी राजस्थान के शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र में जल-पारिस्थितिकी, वनस्पति और भूमि की सतह के तापमान में हो रहे बदलावों पर अपना शोध प्रस्तुत करेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर ने दी।



क्षेत्रों में कृषि और जल-पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने की संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी। यह अध्ययन भविष्य की कृषि योजनाओं और पर्यावरण संरक्षण की रणनीतियां तैयार करने में भी उपयोगी हो सकता है। **मरुस्थलीय क्षेत्र में बदलावों का अध्ययन** प्रो. सिद्दीकी सम्मेलन में भारत के पश्चिमी राजस्थान के शुष्क क्षेत्र में मौसमी जल-पारिस्थितिकीय दशाओं और वनस्पति में महत्वपूर्ण बदलाव विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। इसमें भूमि की सतह के तापमान, निर्मित क्षेत्रों के विस्तार और वनस्पति आवरण में हाल के

वर्षों में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण किया गया है। शोध में मानसून से पहले और उसके बाद मरुस्थलीय क्षेत्रों में नमी की स्थिति में होने वाले बदलावों का भी अध्ययन किया गया है। इसके माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया है कि बदलती मानसूनी परिस्थितियां और नमी का वितरण शुष्क क्षेत्रों के पर्यावरण तथा कृषि को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं। **कृषि और पर्यावरण की स्थिरता के लिए उपयोगी शोध** पश्चिमी राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, वनस्पति और भूमि की स्थिति कृषि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में मौसमी बदलावों और नमी की स्थिति का अध्ययन भविष्य की कृषि योजनाओं को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। खाद्य और पशुचारे की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए यह शोध शुष्क क्षेत्रों में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को संभावनाओं को भी सामने लाता है।

गोरखपुर : एसएसपी ने शुक्रवार की परेड का किया निरीक्षण, जवानों को दिए अनुशासन और फिटनेस के निर्देश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन गोरखपुर स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन और कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और फिट रहने के उद्देश्य से दौड़ लगावाई गई। इसके साथ ही पुलिस बल में अनुशासन, एकरूपता और बेहतर समन्वय



निरीक्षण के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस की विभिन्न इकाइयों की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने यूपी-112, परिवहन शाखा और श्वान दल सहित अन्य संबंधित इकाइयों का

निरीक्षण कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने पर जोर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने, अनुशासन का पालन करने तथा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तत्परता और सजगता के साथ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन्स, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ को मिलने जा रहा एक और बड़ा स्टेशन, इन रूट की गाड़ियों को यहां से चलाने की तैयारी

लखनऊ लखनऊ के रेलवे यात्रियों को ट्रांसपोर्टनगर के रूप में राजधानी को जल्द नए रेलवे स्टेशन की सौगात मिलेगी। यहां से अभी मालगाड़ियों का संचालन होता है।

ट्रांसपोर्टनगर के रूप में राजधानी को जल्द नए रेलवे स्टेशन की सौगात मिलेगी। यहां से अभी मालगाड़ियों का संचालन होता है। रेलवे प्रशासन अब इसे यात्री स्टेशन बनाने जा रहा है। इसके लिए उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रस्ताव भेज चुका है। कमिशनर रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) की अनुमति के बाद यहां से यात्री ट्रेनों को शुरू किया जा सकेगा। इस स्टेशन से अभी सामान की लोडिंग-अनलोडिंग हो रही है। जल्द ही यहां मेल-एक्सप्रेस, सुपरफास्ट ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी।

चारबाग व लखनऊ जंक्शन से यात्रियों और ट्रेनों का भार कम करने की योजना है। इसके तहत जंक्शन की ट्रेनों को ऐशबाग व गोमतीनगर स्टेशन पर शिफ्ट भी किया गया है।



चारबाग स्टेशन को अपग्रेड करने के साथ आसपास के स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना में विकसित किया जा रहा है।

उत्तरेंटिया से ट्रांसपोर्टनगर स्टेशन के

बीच डबल लाइन भी बनाई गई है। अब इसी क्रम में रेलवे ट्रांसपोर्टनगर से यात्री ट्रेनें चलाने जा रहा है। यह लखनऊ का 19वां स्टेशन बन जाएगा। यह स्टेशन शुरू होने से

करीब पांच लाख की आबादी को राहत मिलेगी। इन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए चारबाग स्टेशन की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

इन रूटों की चलेंगी ट्रेनें

ट्रांसपोर्टनगर स्टेशन से अभी हरदोई, मुरादाबाद, दिल्ली, शाहजहापुर से आने-जाने वाली ट्रेनें पास होती हैं। अब इनका इस स्टेशन पर ठहराव हो सकेगा। पैसेंजर के अलावा मेल-एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, व्दे भारत, अमृत भारत आदि ट्रेनें भी यहां से चलेंगी।

शहर से बेहतर है कनेक्टिविटी यात्री मेट्रो के जरिये आसानी से ट्रांसपोर्टनगर रेलवे स्टेशन पहुंच सकते हैं।

इसके अतिरिक्त आलमनगर बस अड्डे, एयरपोर्ट व तैयार हो रहे मल्टीस्टोरी अप्ग्रेसी बस अड्डे से भी इसका जुड़ाव रहेगा। आगरा एक्सप्रेसवे, कानपुर एक्सप्रेसवे, शहीद पथ पर भी आवाजाही आसान होगी।

विकसित की जाएंगी यात्री सुविधाएं

ट्रांसपोर्टनगर स्टेशन से अभी कारों की लोडिंग-अनलोडिंग होती है। यह स्टेशन मालगाड़ियों के लिहाज से बना हुआ है।

राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बनता, उसकी शक्ति जनसंख्या, संस्कृति, परिवार, अर्थव्यवस्था, सामाजिक चेतना और आने वाली पीढ़ियों में भी निहित होती है। अखंड भारत की ऐतिहासिक स्मृति से विकसित भारत के भविष्य तक की यात्रा केवल भूगोल का विषय नहीं, बल्कि बदलती

जनसांख्यिकी, विभाजन की स्मृतियों, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी हिस्सा है। इसी व्यापक संदर्भ में फिल्म निमाता रविन्द्र सिंघवी ने एक लघु फिल्म बनाई है। फिल्म

में जनसंख्या, जनगणना, विवाह, सामाजिक संरचना, विभाजन, प्रवासन, नागरिकता और राष्ट्रीय संप्रभुता जैसे विषयों पर विमर्श किया गया है। **विभाजन की स्मृतियों से जनस-**

महिला सुरक्षा में बांदा पुलिस की सख्ती, 478 मनचलों पर कार्रवाई

बांदा।

महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की सख्त नीति का असर बांदा में भी देखने को मिल रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर छात्राओं और महिलाओं को परेशान करने वालों के खिलाफ मिशन शक्ति और एंटी रोमियो अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2017 से अब तक 478 मनचलों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा जा चुका है। वहीं, नाबालिग बच्चियों के साथ अपराध करने वालों को सजा दिलाने के मामले में भी बांदा पुलिस ने प्रभावी पैरवी की है।



पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2026 तक पाँचको एक्ट से जुड़े मामलों में 266 आरोपितों को न्यायालय से सजा दिलाई गई है। वर्ष 2026 में अब तक 29 मामलों में दोषियों को सजा मिली है। पुलिस का दावा है

स्थलों, बाजारों, प्रमुख चौराहों तथा स्कूल-कॉलेजों के आसपास निगरानी करती है। महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करने, उनका पीछा करने और उन्हें परेशान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। अभियान का उद्देश्य ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने के

साथ महिलाओं और छात्राओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। **पाँक्सो मामलों में दोषियों को सजा दिलाने पर जोर** नाबालिगों के साथ यौन अपराध के मामलों में पुलिस विवेचना के साथ न्यायालय में प्रभावी पैरवी पर भी जोर दे रही है। पुलिस के अनुसार, पिछले वर्षों में दर्ज मामलों में 266 आरोपियों को सजा दिलाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि अपराधियों को न्यायालय से सजा मिलने से महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता मजबूत होती है और कानून का भय कायम होता है।

गोरखपुर।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में योगीराज बाबा गंभीरनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने बाबा गंभीरनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल संत और सिद्ध योगी ही नहीं, बल्कि भारतीय योग, तपस्या, वैराग्य और आध्यात्मिक साधना की महान परंपरा के प्रतीक थे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि बाबा



गंभीरनाथ का जीवन यह संदेश देता है कि योग केवल शरीर को साधने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्वयं को साधने, अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और उन्हें लोककल्याण के लिए समर्पित करने का मार्ग है। उनका जीवन आत्मज्ञान, आत्मानुशासन, संयम और सेवा के समन्वय की प्रेरणा

देता है।

उन्होंने कहा कि बाबा गंभीरनाथ ने सांसारिक सुख-सुविधाओं के बजाय आध्यात्मिक सत्य की खोज को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। उन्होंने भारत के विभिन्न साधना स्थलों की यात्रा करते हुए कठिन तपस्या की। प्रयागराज के झूंसी में गुफा साधना, अमरकंटक में

तपस्या, गया के कपिलधारा क्षेत्र में साधना तथा केलाश-मानसरोवर की आध्यात्मिक यात्रा उनके साधनामय जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां रही हैं। प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि बाबा गंभीरनाथ को नाथ योग परंपरा में हठयोग, राजयोग और लययोग के महान साधक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके लिए योग आसन और प्राणायाम तक सीमित नहीं था, बल्कि मन, इंद्रियों, विचारों और अहंकार पर विजय प्राप्त करना ही वास्तविक योग था। उनका जीवन ज्ञान और कर्म, साधना और सेवा तथा आत्मविकास और लोककल्याण के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

मुरादाबाद के नेशनल शूटर मोहित पाल का यूपी पुलिस में आरक्षी पद पर चयन

मुरादाबाद। लोकभवन, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इनमें

मुरादाबाद निवासी प्रतिभाशाली नेशनल शूटर मोहित पाल भी शामिल रहे।

मोहित पाल का उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी पद पर चयन हुआ है। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त होने पर उनके परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है।

60 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले पत्रकारों को मिले पेंशन, पत्रकारों ने उठाई मांग

गोरखपुर।

पत्रकारों की भी 60 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद पेंशन की सुविधा दिए जाने की मांग को लेकर गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को लखनऊ पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने सूचना निदेशक विशाल सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात कर पत्रकारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न मांगों को रखा तथा उन्हें मांग पत्र सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के अध्यक्ष अँकारा धर द्विवेदी और मान्यता प्राप्त समिति के अध्यक्ष अरविंद राय ने किया। उनके साथ प्रेस क्लब के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे।



प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पत्रकार लंबे समय तक समाज और लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। विषम परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बीच पत्रकारिता करते हुए वे जगहित से जुड़े मुद्दों को

लगातार सामने लाते हैं। ऐसे में उम्र के उस पड़ाव पर, जब नियमित रूप से काम करना कठिन हो जाता है, पत्रकारों के लिए सामाजिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था होना जरूरी है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग पत्र के माध्यम से कहा कि जिस तरह समाज के

विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय तक सेवा देने वाले लोगों के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था है, उसी तरह पत्रकारों के लिए भी सम्मानजनक पेंशन योजना लागू की जानी चाहिए। 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले पात्र पत्रकारों को नियमित पेंशन का लाभ दिया जाए, जिससे बढ़ती उम्र में उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। पत्रकार प्रतिनिधियों ने कहा कि पत्रकारिता का स्वरूप लगातार बदल रहा है। समाचार संकलन से लेकर घटनास्थल पर रिपोर्टिंग तक पत्रकारों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई पत्रकार अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन

और समाज के सामने उठाने में लगा देते हैं। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति अथवा अधिक उम्र में उनके लिए कोई व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। ऐसे में पेंशन की मांग पत्रकारों के हित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। प्रतिनिधिमंडल ने सूचना निदेशक विशाल सिंह के समक्ष पत्रकारों की समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखा।

उन्होंने मांग पत्र लेते हुए पत्रकारों की मांगों को गंभीरता से सुना। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय को शासन स्तर तक पहुंचाकर सकारात्मक पहल की जाएगी।

तीसरी बार पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष बने सोहनलाल श्रीमाली का स्वागत

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष पद पर तीसरी बार नियुक्त होने के बाद सोहन श्रीमाली गुरुवार को मीरजापुर पहुंचे। स्वागत के दौरान श्रीमाली ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग संवैधानिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयोग का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों और उनके विकास से जुड़े मामलों पर काम करना है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को उनके अधिकार और सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।



विभिन्न जातियों की ओर से सामान्य वर्ग के लोगों को विशेष प्राथमिकता दिए जाने के आरोप पर उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के विकास और उत्थान के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों और समर्थकों ने श्रीमाली का स्वागत किया।

दस करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को समय से पूरा कताने पर डीएम का जोर

गोरखपुर।

शसन की ओर से पदोन्नति मिलने के बाद गोरखपुर पुलिस कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक के रूप में कार्यरत उप निरीक्षक (लिपिक) चंद्र भूषण सिंह को निरीक्षक (लिपिक) के पद पर पदोन्नति मिली है। पदोन्नति के उपलक्ष्य में गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने पिपिंग सेरेमनी आयोजित कर उनके कंधे पर निरीक्षक पद का स्टार लगाया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

चंद्र भूषण सिंह वर्तमान में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक के दायित्व का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। विभागीय कार्यों में उनकी जिम्मेदारी, कार्यकुशलता और अनुशासित कार्यशैली के चलते पदोन्नति को लेकर पुलिस कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में खुशी का माहौल रहा। पदोन्नति के बाद हुई इस वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। पुलिस बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के प्रयास में जुटी है।

पिपिंग सेरेमनी के दौरान एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि चंद्र भूषण सिंह नई जिम्मेदारी का निर्वहन भी उसी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ करेंगे, जिस तरह वह वर्तमान में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उत्तरी राजेश धुनावत समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों ने चंद्र भूषण सिंह को पदोन्नति की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पदोन्नति के बाद निरीक्षक (लिपिक) के रूप में चंद्र भूषण सिंह की विभागीय जिम्मेदारी और बढ़ गई है। पुलिस कार्यालय में लंबे समय से महत्वपूर्ण दायित्व संभाल रहे चंद्र भूषण सिंह के पदोन्नत होने पर साथी कर्मचारियों ने प्रसन्नता जताई और उम्मीद व्यक्त की कि वह नई जिम्मेदारी को भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

शराब ठेके में हुए विवाद में दोस्तों ने युवक की पीटकर कर दी हत्या

बांदा।

उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में शराब ठेके के पास नशे में हुए विवाद पर युवक को पीट दिया। उसकी मेडिकल कालेज में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी ने झगडे में जहर खाने से मौत होने की बात कही है।

कानपुर।

बेकनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आयशा सिद्दीकी गर्ल्स इंटर कॉलेज में गुरुवार को एक अंग्रेजी शिक्षिका तीसरी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। तेज आवाज सुनकर स्कूल के शिक्षक मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना डायल-112 पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिक्षिका को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। तलाक महल निवासी शुमैला पिछले

15 साल से आयशा सिद्दीकी गर्ल्स इंटर कॉलेज में अंग्रेजी शिक्षिका हैं। वह कक्षा चार से छह तक के बच्चों



को पढ़ाती हैं। कॉलेज की प्रिंसिपल नाजिश सिद्दीकी ने बताया कि शुमैला की मां मानसिक रूप से बीमारी हैं।

उनकी देखभाल के कारण शुमैला ने निकाह नहीं किया। पिता की मौत के बाद मां-बेटी घर में रहती हैं। प्रिंसिपल के मुताबिक, कुछ दिन पहले स्कूल आने के दौरान शुमैला ने तबीयत खराब होने की बात कहकर हाफ टाइम में छुट्टी ले ली थी। इसके बाद घर पर द्यूशन पढ़ाते समय उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं। परिजनों ने उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा था।

आगे उन्होंने बताया कि बुधवार को शुमैला को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट किया गया था। आज कॉलेज की कुछ

शिक्षिकाएं उनका हालचाल लेने हैलट पहुंचीं। इस दौरान शुमैला ने साथी शिक्षिकाओं को पहचानने से इनकार कर दिया। डॉक्टरों ने उनके मानसिक बीमारी से पीड़ित होने की जानकारी दी थी।

बताया गया कि अस्पताल में बातचीत के दौरान शुमैला बिना किसी को बताए वहां से निकल गईं। परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन पता नहीं पहुंची, जहां से महिला पुलिसकर्मी उन्हें घर छोड़कर आईं। इसके बाद वह दोपहर में कॉलेज पहुंच गईं। आज कॉलेज में छमाही परीक्षाएं चल

रही थीं। प्रिंसिपल किसी काम से स्कूल से बाहर गई थीं। इसी दौरान शुमैला स्कूल पहुंचीं और तीसरी मंजिल पर चली गईं। वहां से वह नीचे गिर गईं। तेज आवाज सुनकर शिक्षक और बच्चे मौके पर पहुंचे तो वह परिसर में गंभीर हालत में पड़ी थीं। सूचना पर पहुंचे बेकनगंज इस्पेक्टर मतीन खान ने उन्हें तत्काल हैलट अस्पताल पहुंचाया।

एसीपी अनवरगंज मंजय सिंह ने बताया कि शिक्षिका मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें इलाज के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर पुलिस की हाई लेवल बैठक, 20 जोन में बांटी गई नई दिल्ली



नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को सीजेपी के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस मुख्यालय में उच्चस्तरीय बैठक हुई। पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ लगभग तीन घंटे तक बैठक कर प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। सुत्रों के मुताबिक, शनिवार को होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए विस्तृत सुरक्षा योजना तैयार की गई है। इसी क्रम में नई दिल्ली जिले को 20 जोन में विभाजित किया गया है, ताकि सुरक्षा प्रबंधन, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार की शाम से जनपथ-कर्तव्य पथ चौराहे के 4 किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट और मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। एक पुलिस अधिकारी ने

के पत्र में कहा गया कि केंद्रीय गृह सचिव ने दूरसंचार (सेवाओं का अस्थायी निलंबन) नियम, 2024 के नियम 3 की उपधारा (1) और दूरसंचार अधिनियम, 2023 की धारा 20(2)(बी) के तहत मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित करने के पुलिस के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। टेलीकॉम ऑपरेटरों से कहा गया है कि वे शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार रात 10 बजे तक जनपथ-कर्तव्य पथ चौराहे के 4 किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट प्रतिबंध लागू करें। इंटरनेट सेवाओं पर यह रोक 57 दिल्ली मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने के अतिरिक्त है। इन स्टेशनों को शुक्रवार रात 9 बजे से बंद किया गया। पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है और कानून-व्यवस्था तथा सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए एहतियाती प्रतिबंध लगाए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मेट्रो स्टेशनों को बंद करने का प्रस्ताव दिल्ली

के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए ट्रेन से दिल्ली आने वाले लोगों की आवाजाही को संभालने के लिए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, "सीजेपी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए ट्रेन से आने वाले लोगों के लिए 334 जीआरपी कर्मियों की तैनाती की गई है और सीएपीएफ की 14 कंपनियां मांगी गई हैं। सुरक्षा बलों की तैनाती 24 घंटे जारी रहेगी। दिल्ली में सात प्रमुख रेलवे स्टेशन हैं, जहां सबसे ज्यादा ट्रेनें आती हैं और यात्रियों की संख्या भी सबसे अधिक रहती है।" उन्होंने बताया कि इन सभी स्टेशनों पर सुरक्षा कर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। यात्रा में होने वाली संभावित परेशानियों को लेकर पूछे गए सवाल पर रेड्डी ने कहा कि जिन यात्रियों की ट्रेनें डायरेक्ट नहीं की गई हैं और जो निर्धारित स्टेशनों पर पहुंचेंगी, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

डीसीपी आकांक्षा यादव ने रामलीला आयोजकों के साथ की अहम बैठक, सुरक्षा को लेकर दिए सख्त निर्देश



नई दिल्ली। आगामी त्योहारी सीजन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने रामलीला आयोजकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। बैठक में डीसीपी आकांक्षा यादव की अध्यक्षता में पुलिस अधिकारियों और जिले के सभी प्रमुख रामलीला कमेटीयों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस ने आयोजकों को रामलीला स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त लाइटिंग, एंटी-एग्जिट गेट और फायर सेफ्टी के इंतजामों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही, पुलिस के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। ट्रैफिक व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और आम जनता की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी साझा किए गए। पुलिस ने सभी आयोजकों से निर्धारित नियमों का पालन करने और अफवाहों से बचने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

SIR आंदोलन के समर्थन में उतरा संयुक्त किसान मोर्चा, 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान



नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले एसआईआर आंदोलन का समर्थन किया है। मोर्चा ने दिल्ली पुलिस और भाजपा-आरएसएस के नेतृत्व वाली राय्यों की सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण जन प्रदर्शनों पर किसी भी प्रकार की रोक या दमनात्यंक कार्रवाई स्वीकार नहीं की जाएगी। एसकेएम ने केंद्र सरकार पर पुलिस प्रशासन के दुरुपयोग और देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया है।

मोर्चा का कहना है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित किए जाने के खिलाफ आवाज उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है। संयुक्त किसान मोर्चा ने दिल्ली पुलिस के साथ गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और उत्तराखंड सहित भाजपा शासित राज्यों के पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। एसकेएम के मुताबिक, विभिन्न राज्यों में आंदोलन में शामिल होने की योजना बना रहे कार्यकर्ताओं को कथित रूप से अवैध हिरासत में रखा जा रहा है। मोर्चा ने महिला विद्यार्थियों सहित कई कार्यकर्ताओं को नजरबंद किए जाने, कार्यकर्ताओं को कथित रूप से उठाए जाने और स्वायत्त इलाकों, विशेषकर मस्जिदों के आसपास अभियान चलाकर लोगों को डराने के आरोप भी लगाए हैं। संगठन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसी सामग्री पर भी चिंता जताई, जिसके जरिए उसके अनुसार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। एसकेएम ने दावा किया कि 10 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे तक हजरत निजामुद्दीन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर आने वाली ट्रेनों को रोक करने तथा नई दिल्ली के 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। मोर्चा ने इन कदमों को सरकार की घबराहट भरी प्रतिक्रिया बताते हुए आपत्तिजनक करार दिया। संगठन ने प्रदर्शन के दौरान 26 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह की व्यवस्था राजनीतिक असुरक्षा को दर्शाती है। मोर्चा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि किस कानून के तहत पुलिस अधिकारी नागरिकों के निजी घरों में प्रवेश कर सकते हैं और उन्हें नजरबंद कर सकते हैं। संगठन ने न्यायपालिका, संबंधित उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय से भी मांग की कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को रोकने के लिए की जा रही कथित अवैध कार्रवाइयों पर स्वतः सज़ान लेकर कार्रवाई की जाए। एसकेएम ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(') और 19(1)(C) का हवाला देते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बिना हथियार शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार लोकतंत्र के बुनियादी स्तंभ हैं। संगठन के अनुसार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक जीवन में कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे विरोध की स्वतंत्रता के लिए आवश्यक मानना चाहिए। मोर्चा ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी अहिंसक प्रदर्शनों को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की व्यवस्था करना है। इसके लिए दिल्ली पुलिस बैरिकेडिंग, घेराबंदी और यातायात मार्गों में बदलाव जैसे उपाय अपना सकती है। संगठन ने लाकसभा में विश्व के नेता राहुल गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार पर भी आपत्ति जताई और कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बलपूर्वक व्यवहार लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। संयुक्त किसान मोर्चा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्राधिकार सार्वजनिक अशांति रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी करने का अधिकार देता है, लेकिन इसका इस्तेमाल शांतिपूर्ण सभाओं पर व्यापक या स्थायी प्रतिबंध लगाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

दिल्ली में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर सक्रियता बढ़ाई

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर सक्रियता बढ़ाई है। उत्तर-पश्चिम जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि पुलिस की 'पिंक फुट पेट्रोलिंग' मुहिम सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा का भरोसा कायम करने के साथ-साथ असाમાयिक तत्वों को सख्त संदेश दे रही है। इस अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मी पाकों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त कर रही हैं।

उनका मकदद केवल संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की समस्याओं को

के दौरान पुलिसकर्मी महिलाओं, स्कूली विद्यार्थियों, किशोरों, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं, जरूरतें और सुझाव जान रही हैं।

दरअसल इस अभियान का उद्देश्य पुलिस की मौजूदगी को अधिक प्रभावी और सहज बनाना है, ताकि किसी भी नागरिक को परेशानी होने पर मदद मांगने में संकोच न हो। पुलिसकर्मियों की सक्रिय मौजूदगी से संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और नागरिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। पिंक फुट पेट्रोलिंग को सामुदायिक पुलिसिंग की ऐसी पहल के रूप में आगे

बढ़ाया जा रहा है, जिसमें पुलिस और जनता के बीच संवाद को विशेष महत्व दिया गया है। महिला पुलिसकर्मी लोगों से सीधे जुड़कर उनकी चिंताओं को समझ रही हैं जिससे सुरक्षा संबंधी समस्याओं की पहचान करने और समय रहते सतर्कता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इस मुहिम के जरिए पुलिस यह संदेश दे रही है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। सार्वजनिक स्थलों पर सतर्कता, जागरूकता और पुलिस की सक्रिय भागीदारी सुरक्षित माहौल तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है। उत्तर-पश्चिम

सीईसी विवाद: विपक्ष ने की राष्ट्रपति से मुलाकात, द्रौपदी मुर्मू ने वोट चोरी के आरोप पर मांगा सबूत

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी नेताओं ने विजय चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में दस से अधिक नेता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "आज हमारे गठबंधन दलों के सभी नेता, राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अन्य नेता राष्ट्रपति से मिले। राष्ट्रपति को हमने ज्ञापन सौंपा। पिछले चार दिनों से हम वोट चोरी के खिलाफ जो आंदोलन चला रहे हैं, उसके बारे में बताने के लिए हम राष्ट्रपति के पास गए थे।" उन्होंने

कहा, "हमने अपनी बात उनके सामने रखी और वोट चोरी के बारे में उन्हें बताया। ज्ञानेश कुमार के कार्यालय से जो इतनी बड़ी वोट चोरी हो रही है, उसे लेकर हमने मांग की है कि ईवीएम को हटाकर फिर से बलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। उन्होंने हमसे वोट चोरी के सबूत मांगे हैं। हम सबूत तैयार कर रहे

हैं और उन्हें जल्द सौंपेंगे। हम सारी जानकारी देंगे। उन्होंने हमारी बातों को ध्यान से सुना है।" राहुल गांधी ने कहा, "मैं अभी-अभी एक बहुत ही हैरान करने वाली बैठक से निकला हूं। सबसे पहली बात, हम राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपने गए थे। राष्ट्रपति ने हमारी बात को किसी भी

इस बार रामलीला में सीता स्वयंवर, कालनेमि प्रसंग और अहिरावण वध की लीला आकर्षण का केंद्र होगा

नई दिल्ली। आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेस-2 के अध्यक्ष अशोक गर्ग, महामंत्री देवराज व चंदन शर्मा ने रामलीला स्थल पर प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि नवरात्रों की पूर्व संख्या पर 10अक्टूबर को भव्य भजन क्लबिंग व रामलीला का शुभारंभ 11 अक्टूबर की 1 दिन की संपूर्ण बाल रामलीला से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर को दशहरा उत्सव के साथ संपन्न होगा। 10

अक्टूबर 2026 रामलीला शुभारंभ के पूर्व संख्या पर भव्य भजन क्लबिंग का आयोजन किया जाएगा। भजन क्लबिंग सुप्रसिद्ध कलाकार भावना एवं रवीश पंडित के नेतृत्व में संपन्न होगा। 11 अक्टूबर को हमारे पारिवारिक बाल कलाकारों के द्वारा एक दिन की संपूर्ण रामलीला का मंच ऐतिहासिक पुरातन महल जैसा दिखेगा। रामलीला का मंचन निपुण कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। सीता स्वयंवर, पंचवटी का मनमोहक दृश्य, कालनेमि प्रसंग व

अहिरावण वध की लीला आकर्षण का केंद्र होगा।। भव्यता प्रदर्शित करने के लिए कुत्रिम बुद्धिमान (ए.आई.) का उपयोग किया जाएगा। नदी, झरना, वन, पहाड़ आदि का प्राकृतिक दृश्य मनमोहक होगा। युद्ध व आकाशीय लीला को लेजर लाइटिंग के माध्यम से रोमांक बनाया जाएगा। एलइडी स्क्रीन तकनीकी से महल, भवन आदि के दृश्य दर्शकों को आकर्षित करेंगे।

गृह मंत्रालय का आदेश, दिल्ली में 4 किमी के दायरे में 24 घंटे बंद रहेगा इंटरनेट

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जनपथझककर्तव्य पथ क्रांिसंग के आसपास चार किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 24 घंटे के लिए निलंबित रहेगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 9 अक्टूबर की रात 10 बजे से 10 अक्टूबर की रात 10 बजे तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहेगी। गृह मंत्रालय ने इस अस्थायी निलंबन को मंजूरी दी है। आदेश के तहत मोबाइल इंटरनेट की सभी तकनीकों पर रोक लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया, जियो और एमटीएनएल सहित संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। यह आदेश दूरसंचार अधिनियम, 2023 और दूरसंचार सेवा निलंबन नियम, 2024 के तहत जारी किया गया है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली में मेट्रो और अन्य रेल सेवाओं को पूरी तरह बंद नहीं करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र

अधिकारी प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए लगाए गए प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करेंगे। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके समक्ष मुख्य सवाल यह है कि प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए कुछ मेट्रो स्टेशनों से ट्रेनों और अन्य रेल सेवाओं को पूरी तरह रोकना उचित और आनुपातिक प्रतिबंध है या नहीं। पीठ ने स्पष्ट किया कि आवाजाही पर पूर्ण रोक लगाने और सेवाओं को नियंत्रित तरीके से संचालित करने में अंतर है। अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाते समय आनुपातिकता के सिद्धांत को ध्यान में रखना चाहिए। सांलिंसिटर जनरल के आश्वासन के आधार पर अदालत ने कहा कि मेट्रो ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं होगी। अदालत ने अधिकारियों को नियंत्रित संचालन से संबंधित फैसले का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्देश दिया, ताकि यात्रियों को समय रहते जानकारी मिल सके।

दिल्ली में प्रदर्शन से पहले मेट्रो पूरी तरह बंद करने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक



नियंत्रित तरीके से सेवाएं चलाने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में मेट्रो ट्रेन सेवाओं को पूरी तरह बंद नहीं करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि मेट्रो और अन्य रेल सेवाओं का संचालन उचित नियमन के साथ जारी रखने के लिए कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने शुक्रवार को यह आदेश दिया। यह आदेश तब आया, जब सांलिंसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि अधिकारी प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करेंगे। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने मुख्य सवाल यह है कि कुछ मेट्रो स्टेशनों से मेट्रो ट्रेनों और रेल सेवाओं को पूरी तरह रोकना प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए उचित और आनुपातिक प्रतिबंध है या नहीं। पीठ ने कहा कि आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने और सेवाओं को नियंत्रित तरीके से संचालित करने में अंतर है। अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाते समय आनुपातिकता के सिद्धांत को ध्यान में रखना चाहिए। सांलिंसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को भरोसा दिलाया कि संबंधित अधिकारी प्रतिबंधों पर दोषावा विचार करेंगे और सेवाओं को न्याय्य रेल सेवाओं को नियंत्रित तरीके से चलाने की अनुमति देंगे, ताकि दिल्ली के निवासियों और आम लोगों को परेशानी न हो। इस आश्वासन के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया, हमेट्रो ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं होगी। अदालत ने अधिकारियों को मेट्रो और अन्य रेल सेवाओं के नियंत्रित संचालन को लेकर लिए गए निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्देश दिया। इसका उद्देश्य यात्रियों को समय रहते जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें अतिरिक्त परेशानी से बचना है। पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी में यात्रा करने वाले लोगों की सुविधा के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करने का भी निर्देश दिया, ताकि उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

गाजियाबाद को मिलेगा प्रगति मैदान जैसा एक्सपो सेंटर

वीवर मार्ट सह एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में

गाजियाबाद । दिल्ली के प्रगति मैदान और दिल्ली हाट की तर्ज पर गाजियाबाद शहर को भी जल्द ही एक भव्य केंद्र की सौगात मिलने जा रही है। मधुबन बापूधाम योजना के तहत निर्माणाधीन 'वीवर मार्ट-कम-एक्सपो एंड कन्वेंशन सेंटर' का काम अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत करीब १200 करोड़ है, जिसमें से मौजूदा निर्माण कार्य पर लगभग १115 करोड़



खर्च किए जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट

कारीगरों और छोटे कारोबारियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए एक स्थायी जगह उपलब्ध कराना है। व्यापारिक मेलों और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों के आयोजन से यह केंद्र स्थानीय कारीगरों को बड़े शहरों व अन्य राज्यों के खरीदारों से सीधे जोड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस केंद्र में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए

लगभग 13,740 वर्ग मीटर में फैला 560 सीटों की क्षमता वाला विशाल ऑडिटोरियम बनाया जा रहा है। इसके साथ ही, व्यापारिक मेलों और प्रदर्शनियों के लिए करीब 6,080 वर्ग मीटर में एक बड़ा एक्सपो हॉल तैयार किया जा रहा है। बैठकों और व्यावसायिक चचाओं के लिए 80 से अधिक लोगों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल भी शामिल है। परिसर के भीतर कारीगरों के लिए स्थायी दुकानें, स्टॉल और एक समर्पित

बुनकर मार्ट होगा। व्यापारिक गतिविधियों के अलावा, इसमें एक सांस्कृतिक संग्रहालय और फूड कोर्ट भी होगा, जो इसे व्यापार और मनोरंजन दोनों का एक प्रमुख केंद्र बनाएगा। जीडीए के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल के अनुसार, इस केंद्र का मूल उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को सीधे बाजार से जोड़ना है। निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है और इसे 30 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्पार्टन वारियर्स ने द डोमिनेटर्स को 37 रन से हराया



गाजियाबाद । राजनगर एक्सपेंशन स्थित गिरिराज क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित पीपीएल सीजन वन का लीग मैच स्पार्टन वारियर्स व द डोमिनेटर्स के बीच खेला गया। मैच में स्पार्टन वारियर्स ने 37 रन से जीत दर्ज की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पार्टन वारियर्स की टीम 19.2 ओवर में 131 रन बनाकर आउट हो गई। मोहित राठी ने 13 गेंद पर 6 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। रोहित ने 24 व अर्जुन त्यागी ने नाबाद 15 रन का योगदान दिया। द डोमिनेटर्स के गेंदबाज एल नारायण ने 1.2 ओवर में 3 रन देकर 2 विकेट लिए। कप्तान अजीत मलिक ने 4 ओवर में 33 रन देकर व अभिजीत डागर ने 4 ओवर में 37 रन देकर 2-2 विकेट लिए। 132 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए द डोमिनेटर्स 17.2 ओवर में 94 रन बनाकर ढेर हो गया। 37 रन बनाने वाले अमित तैवतिया ही विकेट पर टिक पाए। 36 गेंद की पारी में उन्होंने 2 चौके व 2 छवें लगाए। स्पार्टन वारियर्स के गेंदबाज हरिंद्र शर्मा ने 4 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट झटके। सचिन मोर्या ने 3 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हरिंद्र शर्मा को दिया गया।

लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश चिंता का विषय : सलीम अहमद (सैफी)



गाजियाबाद। कांग्रेस पार्टी के सांसदों द्वारा निर्वाचन आयोग कार्यालय तक प्रस्तावित मार्च के बीच गाजियाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष सलीम अहमद (सैफी) ने चिंता व्यक्त की है।सलीम अहमद (सैफी) ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी दलों को अपनी बात रखने, शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने और सरकार से सवाल पूछने का संवैधानिक अधिकार है। ऐसे समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट करना लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।उन्होंने कहा कि इन्दिरापुरम थाना पुलिस द्वारा मुझे मेरे आवास पर रात करीब 11:30 बजे गिरफ्तार किया गया। यदि किसी राजनीतिक कार्यक्रम को लेकर प्रशासन को कोई आपत्ति थी तो लोकतांत्रिक तरीके से संवाद किया जा सकता था। विपक्षी कार्यकर्ताओं को उनके घर पर रोकना और गिरफ्तार करना उचित नहीं है। सलीम सैफी ने कहा, हूसरकार से मेरा सीधा सवाल है कि क्या लोकतंत्र में विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं के संवैधानिक अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं? क्या सरकार से सवाल पूछना और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना अब अपराध हो गया है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाती रहेगी।

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवार जीते



लखनऊ, । उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए सियासी तस्वीर साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ और समाजवादी पार्टी (सपा) के दो उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच में दो निर्दलीय उम्मीदवारों के पर्व खारिज होने और नाम वापसी की समयसीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में नहीं रहने से सभी सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया। इसके साथ ही 16 अक्टूबर को प्रस्तावित मतदान की आवश्यकता समाप्त हो गई और उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रतिनिधित्व भी खत्म हो गया। भाजपा की ओर से राज्यसभा पहुंचने वालों में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह, भाजपा के प्रदेश ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष प्रकाश पाल, श्रुति गंगवार, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका सिंह रावत, राधाकांत ओझा, गोपी कृष्ण पांडेय और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं।

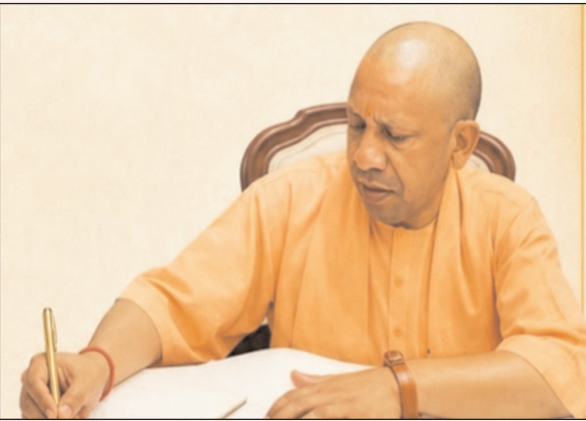
वहीं, सपा के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव और उद्योगपति धनराज परिपल नथवानी ने उच्च सदन में जगह बनाई है।

डांडिया-गरबा में फूहड़ता बर्दाश्त नहीं, विहिप ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन



अलीगढ़ । यूपी के अलीगढ़ जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल की ओर से शुक्रवार को डांडिया नाइट इवेंट्स में 'लव जिहाद' को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस के साथ तीखी बहस हुई। आईएनएस से बातचीत करते हुए विहिप के अलीगढ़ मीडिया हेड प्रतीक रघुवंशी ने कहा, "नवरात्र के दौरान शहर में विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। डांडिया और गरबा मनोरंजन के साधन नहीं हैं। यह हिंदू आस्था और हिंदू सम्मान का पर्व है। डांडिया माता रानी की आराधना के लिए किया जाता है। यह मां की आराधना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। डांडिया के आयोजनों के नाम पर अलग-अलग संगठनों की ओर से किए जा रहे कार्यक्रमों में अमर्यादित गाने चलते हैं और फूहड़ता होती है।" प्रतीक रघुवंशी ने कहा, "ऐसा वातावरण तैयार किया जाता है, जो डांडिया के गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह हिंदू आस्था पर कुठाराघात है। प्रशासन से हमारा आग्रह है कि जिसकी आस्था मां के प्रति न हो कोई भी ऐसा व्यक्ति कार्यक्रमों में प्रवेश न कर पाए। जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह है कि ऐसे कार्यक्रमों से दूरी बनाकर रखें, जहां हिंदू आस्था का अपमान किया जाता हो। हम लोगों की ओर से जिलाधिकारी के लिए ज्ञापन दिया गया है।" देशभर में नवरात्रि की तैयारी की जा रही है। इस वर्ष 11 अक्टूबर को नवरात्रि शुरू हो जाएगी। बीते दिन फिरोजाबाद में रामलीला, राम बारात और नवरात्रि त्योहार को देखते हुए पुलिस ने शिकोहाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एएसपी (ग्रामीण) अनुज चौधरी ने पुलिसकर्मियों के साथ घनी आबादी और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल मार्च किया था। एएसपी (ग्रामीण) अनुज चौधरी कहा था, "इस महीने लगातार कई त्योहार हैं। जुलूस शुरू होने वाले हैं। कल एक जुलूस है और उसके अगले दिन राम बारात है। इसके अलावा, नवरात्रि भी शुरू हो रही है और 20 अक्टूबर को दशहरा है। इन सभी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए शांति और व्यवस्था बनाए रखने और जनता में भरोसा जगाने के लिए लगातार पैदल गश्त की जा रही है।"

सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना को कैबिनेट की मंजूरी



लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र (एसवीपीएसटीपीजेड) विकास योजना को मंजूरी प्रदान की गई। इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अल्टीमेट सोर्सिंग हब ऑफ स्किल्ड मैनपावर और ग्लोबल मैनपावर हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों को आच्छादित करते हुए नौ जोन में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार का एकीकृत तंत्र विकसित किया जाएगा। इससे युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित कर देश-विदेश में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई उद्यम हैं, जो देश के कुल लगभग 6.77 करोड़ उद्यमों का 14.2 प्रतिशत हैं। प्रदेश के औद्योगिक उत्पादन में इस क्षेत्र का योगदान लगभग 60 प्रतिशत तथा निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में तीन करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं। उद्योगों की बढ़ती मांग के अनुरूप कुशल कार्यबल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार से जोड़ने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संरक्षक : संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक : रिजवान सैफ खान

सह संपादक : मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक : राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएंगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी

गुरुकुल में छात्रों की मौत से संत समाज आहत

आपात कालीन बैठक बुलाकर दोषियों पर की कड़ी कार्यवाही की मांग

मथुरा। वृंदावन के पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम में हुई चर छात्रों की मौत से संत समाज आहत है। प्रशासन की ओर से मृतक छात्रों के परिवार के लिए अभी तक किसी तरह की कोई मदद नहीं होने से भी संत असंतुष्ट हैं। चार छात्रों की मौत से संत-महंतां में आक्रोश है। म इस दुखद घटना को लेकर परिक्रमा मार्ग स्थित मोर कुटी आश्रम में संतों की एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें हादसे पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शासन-प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की गई।



महंत परमेश्वर दास महाराज, महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज, महंत गंगा दास, रामेश्वर दास, रामदास, पुरुषोत्तम दास, अभिलेख दास एवं श्यामदास

सहित अनेक संत महंत उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित संतों ने एक स्वर में कहा कि इस पूरी घटना की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के

महाराजा अग्रसेन जयंती पर के उपलक्ष्य में निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण एवं नेत्र चिकित्सा शिविर

मथुरा। श्री अग्रवाल सभा (रजि.), मथुरा एवं कल्याण करांति, मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में श्री महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर 'निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण तथा नेत्र चिकित्सा शिविर' का आयोजन 09 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम स्व. दारुदयाल कसेरे एवं श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति - में महेश चन्द्र कसेरे (साड़ी वाले) एवं शोभित अग्रवाल, महेश टैक्सटाइल्स के - सीजन्य से आयोजित किया जा रहा

है। इसमें जरूरतमंद दिव्यांगजनों को आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। इसी अवसर पर स्व. मेघ अग्रवाल की पुण्य स्मृति में मैसर्स राजस्थान ज्वैल्स, मथुरा के सीजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर समय प्रातः 0-900 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला, होली गेट, मथुरा पर आयोजित किया जाएगा। ऑपरेशन हेतु चयनित नेत्र रोगी अपने साथ पहचान पत्र की छायाप्रति, मोबाइल नंबर अवश्य लेकर आएँ।

शिविर में मोतियाबिंद, नाखुना, परवाल, कालापानी (ग्लूकोमा) सहित विभिन्न नेत्र रोगों की व जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंद मरीजों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन, लेंस, आवश्यक दवाएं एवं चश्मे की व्यवस्था भी की जाएगी। नेत्र रोगियों के ऑपरेशन कल्याण करांति नेत्र संस्थान, जवौदा, गोवर्धन रोड, मथुरा में किए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड, विभिन्न टीपीए एवं बीमा कंपनियों के कांइधारकों के लिए केशलेख सुविधा भी उपलब्ध रहेंगे।

पंडित दीनदयाल स्मृति महोत्सव: फरह में कवि सम्मेलन ने बांधा समां, विष्णु सक्सेना के गीतों और दीपेंद्र की कविताओं ने मोहा मन

दुनिया वाले सोच रहे, लड़की रील बनाती है,पर असल में वो कैमरे के आगे अपना हुनर दिखाती

फरह (मथुरा) दीनदयाल धाम फरह में पंडित दीनदयाल स्मृति महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित कवि सम्मेलन में साहित्य, प्रेम और संवेदनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। राजस्थान, मध्य प्रदेश और दूर-दराज से पहुंचे प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी एक से बढ़कर एक रचनाओं से श्रोताओं को कभी गुदगुदाया, तो कभी गंभीर मुहों पर सोचने पर मजबूर कर दिया। समसामयिक समस्याओं और प्रेम का अद्भुत मेल कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर दीप प्रच्वलन के साथ हुई। इसके बाद मंच पर पहुंचे राजस्थान के कवि दीपेंद्र ने वर्तमान समय की गंभीर सामाजिक समस्या पर आधारित रचना- "दुनिया वाले सोच रहे लड़की रील बनाती है"



प्रस्तुत की। इस कविता के माध्यम से उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते क्रेज और उसके दुष्परिणामों को इतने मार्मिक ढंग से उजागर किया कि श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। इसके बाद प्रसिद्ध कवि विष्णु सक्सेना ने अपनी भावपूर्ण काव्य प्रस्तुति से कवि सम्मेलन में प्रेम और संवेदनाओं के अनूठे रंग भरे। ऋतुओं के बदलते मिजाज, प्रेम की बेचैनी और दिल की गहराइयों को

दर्शाती उनकी पंक्तियां-"मैं तुम्हें सौंप दूंगा तुम्हारी धरा, तुम मुझे मेरे पंखों को आकाश देना"-पर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। राजस्थान से ही आए एक अन्य कवि ने "मैं कोई कवि तो नहीं..." शीर्षक से अपनी रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं से भरपूर वाक्यवाही बटोरी। वहीं, कवि अजातशत्रु और सचिन सारस्वत ने अपने बेहतरीन काव्य पाठ से

श्रोताओं को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया।कवियों और पत्रकारों का हुआ अभिनंदन मुख्य काव्य पाठ से पहले महोत्सव समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया।

कार्यक्रम संयोजक जगमोहन पाठक, राजेंद्र प्रसाद और महिपाल सिंह ने सभी आमंत्रित कवियों और पत्रकारों को पटुका पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, महोत्सव समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सोहन लाल शर्मा, मंत्री मनोप अग्रवाल रावी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक, कार्यक्रम संयोजक जगमोहन पाठक, राजेंद्र शर्मा, उमेश शर्मा, महिपाल और मोनू तिवारी सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

होटल पैराडाइज पर पुलिस का शिकंजा, कथित देह व्यापार के आरोप में 10 गिरफ्तार

वसुंधरा सेक्टर-10 में देर रात छापेमारी से मचा हड़कंप, 14 मोबाइल और हजारों की नकदी बरामद



गाजियाबाद। होटल की आड़ में कथित अनेकैक गतिविधियां संचालित किए जाने के आरोपों के बीच इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-10 स्थित होटल पैराडाइज में पुलिस ने छापेमारी कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

8 अक्टूबर की रात चलाए गए सर्च एवं रेक्यू अभियान के दौरान पुलिस ने मौके से 14 मोबाइल फोन और 4,730 रुपये नकद बरामद किए।

कार्रवाई के बाद इलाके में होटल की गतिविधियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पुलिस के मुताबिक, होटल में कथित अनेकैक देह व्यापार संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम और थाना इंदिरापुरम की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल करते हुए 10 लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई के दौरान कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं मिलने का दावा भी किया गया है। तस्वीरें भेजकर ग्राहकों से संपर्क करने का आरोप जांच के दौरान पुलिस को कथित तौर पर व्हाट्सएप के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क किए जाने की जानकारी मिली। आरोप है कि ग्राहकों को महिलाओं की तस्वीरें भेजी जाती थीं और इसके जरिए सीढ़े तय कर पैसों का लेन-देन किया जाता था।